एम.एच.डी

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम

एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2014 एवं जनवरी 2015 सत्रों के लिए)

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिंदी काव्य
एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानी
एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ
एम.एच.डी.-6 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य-2014-15

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्यों की पुस्तिका है। इसमें एम.एच.डी.-02, 03, 04 और 06 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं। ये 8-8 क्रेडिट के पाठ्यक्रम हैं और आपको हर पाठ्यक्रम में एक-एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंकों का है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे गए हैं।

एम.ए. कार्यक्रम में अध्ययन के लिए आपको कई खंडों में पाठ्य सामग्री भेजी गई है। साथ ही पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त अध्ययन के लिए 'विवेचना' नाम से आलोचनात्मक लेखों के संग्रह भेजे गए हैं। पाठ्यक्रम 2, 3 तथा 4 में 'विविधा' नाम से मूल साहित्यिक कृतियों का संकलन किया गया है। पाठ्यक्रमों में शामिल नाटक और उपन्यासों को प्राप्त करने की व्यवस्था आपको स्वयं करनी होगी। आपसे अपेक्षा की जाती है कि सत्रीय कार्य करने से पहले इन सभी कृतियों को पढ़ लें।

एम.ए. स्तर पर परीक्षा में पूछे जाने वाले सवाल केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं होते। अतः छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे उपलब्ध कराई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करें, जिससे ज्ञान में वृद्धि हो।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचारकर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. एम.ए. हिंदी के पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए हुए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए जिससे आप संबद्ध हैं।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : .....
नाम : .....
पता : .....
.....
.....
दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....
सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केंद्र का नाम/कोड : .....

4. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
6. अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास **जुलाई 2014 सत्र के लिए 31 मार्च 2015 एवं जनवरी 2015 सत्र के लिए 30 सितंबर 2015** तक अवश्य जमा करा दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें।
2. व्याख्या से संबंधित काव्यांशों में, संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या और भाषा, शैली या अन्य किसी विशेष बात का उल्लेख करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
5. आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।
6. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें तथा जिन बातों पर बल देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दें।
7. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ!

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी-2 : आधुनिक हिंदी-काव्य
सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी-2/टी.एम.ए/2014-15
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 300 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **12×3=36**

(क) चर्चा हमारी भी कभी संसार में सर्वत्र थी,
वह सद्‌गुणों की कीर्ति मानो एक और कलत्र थी।
इस दुर्दशा का स्वप्न में भी क्या हमें कुछ ध्यान था?
क्या इस पतन ही को हमारा वह अतुल उत्थान था?
उन्नत रहा होगा कभी जो हो रहा अवनत अभी,
जो हो रहा उन्नत अभी, अवनत रहा होगा कभी
हँसते प्रथम जो पद्म हैं, तम–पंक में फँसते वही?
मुरझे पड़े रहते कुमुद जो अंत में हँसते वही।।

(ख) जो तुम आ जाते एक बार!

कितनी करुणा कितने संदेश
पथ में बिछ जाते बन पराग;

गाता प्राणों का तार तार
अनुराग भरा उन्माद राग,
आँसू लेते वे पद पखार!

हँस उठते पल में आर्द्र नयन
धुल जाता ओठों से विषाद,

छा जाता जीवन में वसन्त
लुट जाता चिर संचित चिराग,
आँखें देती सर्वस्व वार!

(ग) एक आदमी
रोटी बेलता है
एक आदमी रोटी खाता है
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है।
वह सिर्फ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ –
'यह तीसरा आदमी कौन है ?'
मेरे देश की संसद मौन है।

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिए : **16×4=64**

(क) नवजागरण कालीन हिंदी कविता की विशेषताएँ बताइए।

(ख) 'राम की शक्तिपूजा' वस्तु और शिल्प पर विचार कीजिए।

(ग) रामधारी सिंह दिनकर की कविता में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना का विवेचन कीजिए।

(घ) 'अंधेरे में' कविता का विश्लेषण कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम
उपन्यास एवं कहानी (एम.एच.डी-3)
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड/एमएचडी:3
सत्रीय कार्य कोड:एमएचडी-3/टीएम/ए/2014-15
कुल अंक:100

1. 'गोदान' में अभिव्यक्त प्रेमचंद की जनतांत्रिक दृष्टि की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

2. 'मैला आँचल' के आधार पर मिथिला अंचल के पिछड़ेपन के कारणों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

3. अल्पसंख्यक समुदाय के भीतर असुरक्षा की भावना के सांस्कृतिक आर्थिक तथा राजनीतिक कारणों की समीक्षा कीजिए। 10

4. दलित स्त्री के तिहरे शोषण की भीषण वास्तविकता की 'धरती धन न अपना' के माध्यम से विवेचना कीजिए। 10

5. जाति व्यवस्था की असंवेदनशीलता की 'ठाकुर का कुआँ' कहानी के आधार पर समीक्षा कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए: 10×5=50

   (क) चीफ की दावत में चित्रित मध्यमवर्गीय अवसरवाद

   (ख) दलित साहित्य का उद्भव एवं विकास

   (ग) 'कुत्ते की पूँछ' में व्यंग्य विधान

   (घ) बाणभट्ट की आत्मकथा का सामाजिक–राजनीतिक संदर्भ

   (ड.) 'सिक्का बदल गया' की शाहनी का चरित्र चित्रण

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम
नाटक और अन्य गद्य विधाएँ (एम एच डी-4)

एम.ए. हिंदी से संबंधित यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। इसमें आपने नाटकों और अन्य गद्य विधाओं का अध्ययन किया है। चार नाटक और चौदह गद्य रचनाओं पर कुल 26 इकाइयाँ हैं। इनके अतिरिक्त आपको 'हिंदी गद्य विवेचना' के अंतर्गत कई आलोचनात्मक लेख भी दिए गए हैं। आशा है, आपने इन सभी का अध्ययन कर लिया होगा। इनके अध्ययन से आपको सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

एम.ए. के सभी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी को एक-एक सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम में से प्रश्न पूछे जाएँगे।

सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में प्रश्न पत्र का ढाँचा कमोबेश एक-सा होगा। इसलिए सत्रीय कार्य को गंभीरता से लें। इनमें आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे जाएंगे।

- आपको पाठ्यक्रम में शामिल रचनाओं में से कुछ गद्यांशों की व्याख्या करनी होगी। यह प्रश्न अनिवार्य होगा जिन पर लगभग 35 से 40 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे।

- इसमें कुछ निबंधात्मक प्रश्न होंगे जिसमें पाठ्यक्रम में शामिल रचनाओं पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। आलोचनात्मक प्रश्न रचना की अंतर्वस्तु, प्रतिपाद्य, चरित्र-चित्रण, भाषा, शिल्प, महत्त्व और अन्य रचनाओं से तुलना से संबंधित हो सकते हैं। नाटक से संबंधित सवालों में रंगमंच प्रस्तुति और अभिनेयता के बारे में भी सवाल होंगे।

- आपसे विभिन्न विषयों पर टिप्पणियाँ करने के लिए भी दी जाएँगी, जो विवरणात्मक और आलोचनात्मक दोनों तरह की हो सकती हैं।

- निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्नों के लिए लगभग 60 अंक निर्धारित होंगे। अंकों का यही विभाजन सत्रांत परीक्षा पर भी लागू होगा।

सत्रीय कार्य
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एमएचडी-4
सत्रीय कार्य कोड : एमएचडी-4/टीएमए/2014-15
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10X4=40

क) भारत समग्र विश्व का है, और संपूर्ण वसुंधरा इसके प्रेम-पाश में आबद्ध है। अनादि काल से ज्ञान की, मानवता की ज्योति वह विकीर्ण कर रहा है। वसुंधरा का हृदय –भारत– किस मूर्ख को प्यारा नहीं है? तुम देखते नहीं कि विश्व का सबसे ऊंचा शृङ्ग इसके सिरहाने और गंभीर तथा विशाल समुद्र इसके चरणों के नीचे हैं? एक-से-एक सुंदर दृश्य प्रकृति ने अपने इस घर में चित्रित कर रखा है। भारत के कल्याण के लिए मेरा सर्वस्व अर्पित है।

ख) मैं दो बड़े पहियों के बीच लगा हुआ
एक छोटा निरर्थक शोभा-चक्र हूँ
जो बड़े पहियों के साथ घूमता है
पर रथ को आगे नहीं बढ़ाता
और न धरती ही छू पाता है!
और जिसके जीवन का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है
कि वह धुरी से उतर भी नहीं सकता!

ग) कुटज क्या केवल जी रहा है। वह दूसरे के द्वार पर भीख माँगने नहीं जाता, **कोई निकट** आ गया तो भय के मारे अधमरा नहीं हो जाता, नीति और धर्म का उपदेश नहीं देता **फिरता,** अपनी उन्नति के लिए अफसरों का जूता नहीं चाटता फिरता, दूसरों को अवमानित करने **के लिए** ग्रहों की खुशामद नहीं करता। आत्मोन्नति हेतु नीलम नहीं धारण करता, अँगूठियों की लड़ी नहीं पहनता, पाँत नहीं निपोरता, बगलें नहीं झाँकता। जीता है और शान से जीता है।

घ) सोचता हूँ – मुझे हो क्या गया है? इतना अनिश्चय, इतना **अविश्वास! क्या आज़ादी के** पच्चीस वर्षों ने यही अनिश्चय और अविश्वास की मानसिकता **दी है हमारी पीढ़ी को?** और यही हम आगामी पीढ़ी को विरासत में दे रहे हैं?

2 **'अंधेर नगरी' नाटक में व्यक्त सामाजिक यथार्थ की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।** 10

3. **'आधे-अधूरे' के पुरुष पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं की तुलना कीजिए।** 10

4. 'संस्कृति और जातीयता' निबंध के आधार पर भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ बताइए। 10

5. 'कलम का सिपाही' के आधार पर जीवनी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

6 निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5X4=20

(क) 'औरत' का प्रतिपाद्य
(ख) रेखाचित्र और संस्मरण की तुलना
(ग) 'अदम्य जीवन' का प्रतिपाद्य
(घ) 'किन्नर देश की ओर' की भाषा

एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम
हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास (एम.एच.डी.–6

एम.ए. हिन्दी का यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। "हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास" में आपने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों, हिन्दी गद्य साहित्य एवं भाषा के विकास का ऐतिहासिक दृष्टि से अध्ययन किया है।

सत्रीय कार्य का एक और उद्देश्य है–सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करना। सत्रांत परीक्षा में जो सवाल आपसे पूछे जाएँगे उनका ढाँचा सत्रीय कार्य में पूछे गए सवालों जैसा ही होगा। इसीलिए सत्रीय कार्य को आप गंभीरता से लें। सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में पूछे गए सवाल दो प्रकार के होंगे।

1. कुछ प्रश्न निबंधात्मक या विवेचनात्मक होंगे जो पाठ्यक्रम में शामिल हिन्दी काव्य प्रवृत्तियों, गद्य साहित्य तथा हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक विकास से संबंधित हो सकते हैं।

2. दूसरे प्रकार के प्रश्नों में आपको विभिन्न विषयों पर विवरणात्मक/आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखनी होंगी। निबंधात्मक प्रश्नों के लिए लगभग 60 प्रतिशत तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के लिए 40 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रांत परीक्षा में निबंधात्मक प्रश्न 60 से 80 प्रतिशत के हो सकते हैं।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 8 पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–6/टी एम ए/2014–2015
कुल अंक : 100

(1) "भक्ति आंदोलन सामंत विरोधी शक्तियों के उभरने का परिणाम है।" आप इससे कितना सहमत हैं? युक्ति–युक्त उत्तर दीजिए। 12

(2) आधुनिक काल में स्त्री–स्वातंत्र्य को लेकर उठाए गए कदमों की चर्चा कीजिए। 12

(3) आधुनिक हिन्दी काव्य परंपरा में प्रगतिवाद के योगदान पर प्रकाश डालिए। 12

(4) आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (500 शब्द) 12

(5) हिन्दी भाषा के विकास से आप क्या समझते हैं? इसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए। 12

(6) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 8×5=40

(क) खड़ी बोली गद्य का विकास
(ख) प्रगतिवादी आंदोलन की पृष्ठभूमि
(ग) सूफी रहस्यवाद
(घ) शुक्लयुगीन आलोचना
(ड.) प्रमुख रीतिकालीन कवि